Seventeenth Loksabha

>

Title: Appeal to the government to withdraw the Citizenship (Amendment) Bill from North- East Region.

श्री गौरव गोगोई (कलियाबोर): अध्यक्ष महोदय, मेरा असम, महापुरुष श्रीमन्त शंकरदेव, अजान पीर का असम है । मेरा असम, लासित बोड़फुकन, हजारिका का असम है । मेरा उत्तर पूर्व शांतिप्रिय छोटा प्रदेश है, जहां पर लोगों को रोजगार चाहिए, वहां निवेश चाहिए । जी.एस.टी. रिटर्न्स हमारे यहां भी नहीं आ रहे हैं । लेकिन, पिछले दिनों जिस प्रकार से पूरे उत्तर पूर्व में विरोध हुए हैं, लोग कहते हैं कि ऐसा विरोध पिछले बीस-पच्चीस सालों में नहीं देखा है ।

माननीय अध्यक्ष: यह तो पास हो चुका है ।

श्री गौरव गोगोई : सर, आज असम में लोग हाथों में तलवार लेकर, शंख लेकर विरोध कर रहे हैं । त्रिपुरा में दो दिनों से एस.एम.एस. और इंटरनेट बंद हैं । अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड में लोग बोल रहे हैं कि आई.एल.पी. और सिक्स्थ शिड्यूल में होने के बावजूद भी आज उनकी भाषा और संस्कृति खतरे में है ।

सर, पूरे देश को यह संदेश जाता है कि हमारा नॉर्थ-ईस्ट वन-नॉर्थ-ईस्ट है । हमें आई.एल.पी. में बांटने की कोशिश करने के बाद भी अपनी भाषा और संस्कृति में we are one North-East and we are one India. Therefore, I appeal to this Government to withdraw the Citizenship (Amendment) Bill. It is anti-India, anti-Constitution and anti-North-East.

माननीय अध्यक्ष: अब तो लोक सभा में यह बहुमत से पास हो गया न ।

श्री कुलदीप राय शर्मा एवं श्री सप्तगिरी उलाका को श्री गौरव गोगोई के द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

…(व्यवधान)